

छह स्तंभों पर दौड़ेगा यूपी का स्टार्टअप मिशन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए छह प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित होगी। इसमें बुनियादी ढांचे का विकास, वित्तीय सहायता, कौशल विकास, उद्योगों से जुड़ाव, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान और संस्थागत क्षमता मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और डीप-टेक जैसी उभरती तकनीकों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन के अनुसार, युवाओं को नौकरी तलाशने वालों के बजाय रोजगार देने वाले उद्यमियों के रूप में तैयार करना लक्ष्य है। नई नीति के तहत विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और नए उद्यमियों को अपने विचारों को



एआई और डीप-टेक पर विशेष जोर, स्टार्टअप, निवेशक और इन्व्यूबेटर एक मंच पर आएं

व्यावसायिक रूप देने के लिए तकनीकी सुविधाएं, वित्तीय मदद और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत की जाएगी।

नीति के पहले स्तंभ में स्टार्टअप के लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। दूसरे स्तंभ के तहत सरकारी योजनाओं और निजी निवेशकों के माध्यम से पूंजी जुटाने के अवसर बढ़ाए जाएंगे। तीसरे स्तंभ में शिक्षा,

कौशल विकास और प्रशिक्षण के जरिये नवाचार आधारित कार्यबल तैयार किया जाएगा। चौथे स्तंभ के तहत स्टार्टअप, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकार के बीच समन्वय मजबूत होगा। पांचवें स्तंभ में प्रदेश के स्टार्टअप को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने, नई साझेदारियां विकसित करने तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जाएगा।

छठे स्तंभ में संस्थागत क्षमता बढ़ाने, हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने और सहयोग तंत्र प्रभावी बनाने की व्यवस्था होगी। स्टार्टअप से जुड़ी शिकायतों और सवालों के समाधान के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन और सोशल मीडिया आधारित सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। व्यूरो